B.Com I.
25.07.

Principle of Economics(s)

By. Sujeet kr. Suman
R.N. College
Hajipur

Unit-2. Demand, Indifference Curve

(1.) मॉंग में सम्मिलित होते है:
वस्तु की प्रभावी इच्छा, साधन की उपलब्धता, वस्तु को खरीदने के लिए साधनों को व्यय करने की तत्परता

(2.) मॉंग एवं कीमत में संबंध होता है:
विपरीत

(3.) जैंट एवं बल्ला किस मॉंग का उदाहरण है?
संयुक्त मॉंग

(4.) वस्तु की पूर्ति एवं उसकी कीमत में संबंध होता है:
सीधा

(5.) पूर्ण तृप्ति बिंदु पर सीमांत उपयोगिता:
शून्य

(6.) सीमान्त उपयोगिता कहा जाता है:
वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई से प्राप्त उपयोगिता

(7.) जब सीमांत उपयोगिता शून्य होती है, तब कुल उपयोगिता होती है:
अधिकतम

(8.) औसत उपयोगिता बराबर:
सीमांत उपयोगिता – वस्तु की इकाईयाँ

(9.) उपयोगिता विश्लेषण का क्रमवाचक दृष्टिकोण स्वीकार करता है:
उपयोगिता की क्रमवाचक माप को

(10.) उदासीनता वक्र का ढाल होता है:
ऋणात्मक

(11.) पूर्णतया पूरक वस्तुओं की स्थिति में तटस्थता वक्र:
L-आकार के होते है:

(12.) उपभोक्ता का संतुलन उस बिंदु पर होता है जहाँ उदासीनता वक्र कीमत रेखा को:
स्पर्श करता है

Scanned with CamScanner

(13.) उदासीनता वक्र उपयोगिता विश्लेषण के किस दृष्टिकोण पर आधारित है?
क्रमवाचक

(14.) आय में परिवर्तन होने पर उपभोक्ता की साम्य स्थिति पर पड़ने वाले प्रभाव को :
आय प्रभाव

(15.) कीमत उपभोग वक्र का ऋणात्मक ढाल X तथा Y वस्तुओं की परस्पर :
स्थानापन्नता को प्रदर्शित करता है.

(16.) मार्शल के अनुसार उपभोक्ता की बचत का आधार है :
उपयोगिता ह्रास नियम

(17.) उपभोक्ता की बचत का विचार किस अर्थशास्त्री ने प्रस्तुत किया?
इयूपिट

(18.) मांग की लोच :
मांग का आनुपातिक परिवर्तन / कीमत का आनुपातिक परिवर्तन

(19.) एक मांग वक्र के विभिन्न बिंदुओं पर मांग की लोच :
भिन्न-भिन्न

(20.) मांग की आंशिक लोच की वैज्ञानिक व्याख्या का श्रेय है :
रॉबर्ट ट्रिफिन

(21.) विलासिता की वस्तुओं की मांग की लोच होती है :
अत्यधिक लोचदार

(22.) जब किसी वस्तु की मांग में आनुपातिक परिवर्तन उस वस्तु की कीमत में आनुपातिक परिवर्तन से कम होता है, तो ऐसी दशा में माँग :
बेलोचदार

(23.) ऐसी वस्तुएँ जिनका एक-दूसरे के बदले में प्रयोग किया जाता है, कहलाती है
स्थानापन्न वस्तुएँ

— ० —

Scanned with CamScanner